11.

लवहरि-कुशहरि

कलजोरि परिनाम करै छी मइआ जानकी आब यौ
बैठ हला जे दादा रामचन्द्र भगवान यौ
आसन लागिके बैठइए गादी पर जे आब यौ
गादी पर जे बैठए दादा सिरी नारायण आब यौ
नरसिंह नाथक महिमा डोलै नारदजीके आब यौ
गुरू वशिष्ट मुनिके आसन डोलिए गेलै आब यौ
साबा लाख जे देवता बाबू आसन डोलि गेल आब यौ
हर्खमान जस़ोधा होइए गादी पर जे आब यौ
आनन्द आनन्द होइए बाबू अजोधाजीमे आब यौ
आनन्द आनन्द होइए बाबू अजोधाजीमे हरख यौ
लंका गढ़सँ रवामिन अइला सिरी नारायण आब यौ
माताजे कोसिल्लाके हिरदे जुड़ा गेल आब यौ
तब माताजी जाक बैठली कोहबर घरमे आब यौ
मइआ सिरी जानकीके चुमा' के ल' गेल आब यौ
कोहबर मे सिरी जानकी के गादी पर देलकै बैठाइ यौ
लेके आब अजोधामे राधिकाजीके घेरलक आब यौ
जानकी माइक रूप देखिके मुरछा लागल आब यौ
एहेन सकल हो परमात्मा केना के ढारल आब यौ
कोन साँचा पर जानकी के सकलबा लिखलनि आब यौ

चौल मजाक जे होमए लगलै कोहबर घरमे आब यौ
तखनी राधिका ननदि-भौजाइमे चौल करइए आब यौ
चौल चलइए माइ जानकीसे ठट्ठा करइए आब यौ
चारू भरसे ननदि सब जे बैठिए गेलै आब यौ
रामचन्द्र के बहिन रहथिन दाइ कुलामति आब यौ
सुनिलिअ भौजी हे जानकी हमर आब यौ
कुलामति भौजीके कह' लगइए सुन भौजी तोँ आबयौ
केहन लंकागढ़मे रावण गौरबी छलै आब यौ
जे सीताके हरिके ल' गेल लंकागढ़मे आब यौ
अइ रावणके सिरखार भौजी लिखू अजोधा आब यौ
अइ रावणके मारब भौजी झाँटब बाढ़निसे आब यौ
माता जानकीके कोंढ़ फटै छै कोहबर घरमे आब यौ
हे ननदि सब सुनिए लिऔ हमर धरमके बात यौ
हम नै देखलौ रावणक सकलबा देखलौं आब यौ
हे ननदिसब कोनाके लिखबै रावणके सिरखार यौ
हठ करइए कुलमति ननदी जिद्द करैअछि आब यौ
कलजोरि परिनाम करै छी सिरी जानकी आब यौ
आसन आब डोलबिऔ माता हे जगदम्बा आब यौ
महिमा डोलि गेल भगवतीके कण्ठ बैठइए आब यौ
महिमा डोलि गेल भगवतीके आसन डोलइए आब यौ
रावणकेर सिरखार मइआ लिखिए देलखिन आब यौ
पहिने बाबू रेखा बना देल रावणके सिरखार यौ
रेखा रावणक अइ जंग बाबू अंग-अंग भेल आबयौ
तब रावण के आब कनगुरिआ अंगुरीमे अमरित आब यौ
मुखमे धराइए देलथिन जीभ परि गेलै आब यौ
तखन बाबू रावण गौरवी आब तरपइए आब यौ

जोजन पचास रावण तरपि गेल कोहबर घरमे आब यौ
जतेक राधिका रहै बाबू सब डेरा गेल आब यौ
तखनी जतेक राधिका छलै से सब भागि पड़ैलै आब यौ
तखान बाबू रामचन्द्रके गादी डोलइए आब यौ
कहाँ गेला लछुमन बौआ जलदी अबियौआब यौ
संख-चक्र-गदा लए पहुँचल आबि गेला हनुमान यौ
तब हनुमानजीके हुकूम होइए डेउढ़ी देखिऔ आब यौ
तब हनुमानजी गदा लए दुकलै कोबहर घरमे आब यौ
देखै छथि जे रावणक सकल सुरतिआ आब यौ
हनुमानजी लज्जामे पड़ला कोहबर घरमे आब यौ
हनुमानजी जे जानकी जीसे जबाब करइए आब यौ
हे माता हम कहबनि भगवानके जे आब यौ
बड़ा जुलूम तोँ केलह माता कलंक अजोधा आब यौ
भगवानके आब बाटो नै चल देतनि लोक आब यौ
कोनाके के चुगली तोहर करबह नूनो खेलिअ आब यौ
जइ बात के हम हे माता झूठ बना देब आब यौ
रामके लग हनुमान जब पहुँचल लए क अपन बात यौ
रामसे जे दागा देलकनि हनुमानजी आब यौ
ननदि-भौजाइमे खामिन हो कोहबरमे चलइए चौल यौ
रामचन्द्रक मोन ठंढ़ा भए गेल ओइजग जे आब यौ
पाछू लागलि कुलमति बहिनी देलनि आगि लगाइ यौ
कुलमति कहै छनि सीता-रामके आब जे कुबोल यौ
सुनिऔ भइआ रामचन्द्रजी हमर वचनिआ आब यौ
लंकाके रावण शौखीके सिरखार लिखइए आब यौ
रावणसे जे .... करइए चौल मजाक आब यौ
तामससे जे जरिए गेला दादा सिरीनारायण आब यौ

कहाँ गेला लछुमन भइआ सोझा अबिह' आब यौ
झूठि-फूसि हनुमान बजै छथि दगाकै छथि आब यौ
जइ जंगलमे कोनो फलनै हनुमान के दिऔ बनिसार यौ
अन्न फल बिनु हनुमान मारल जेता आब यौ
सिरी जानकीके लएके जइऔ रिखिआ जंगल आब यौ
पाँच हाथ के झोपड़ी बना के दिऔन आब बनिसार यौ
एहन कलंकी तिरिंओके हमने देख' चाहै छी आब यौ
गरा पकरिके नेने जाइए जंगलमे बनबास आब यौ
जे जंगल माहुर जंगल छल ताहि मे देल बनिसार यौ
शक्तिवाणसे हनुमान के बान्हिए देलकनि आब यौ
लछुमन घुरलि अबै छथि अजोधाजी आब यौ
जानकीजीकेँ आगाँ करै छथि नेने जाइ छथि आब यौ
सिरी जानकी माइ सब अभरण खोलि फेकै छथि आब यौ
सिरी जानकी माइ गादी लग अइली आब यौ
रामचन्द्रके सबहा लागल बरम्हा लोकके आब यौ
छप्पन कोटि देब बैठल रहथि रामक गादी लग आब यौ
अइ ठाम मइआ जानकी जबाब करै छथि आब यौ
सुनि लिऔ देव-मुनि सब हमर जबाब आब यौ
बड़रे विपत्ति देलनि हमरा खामिन जखन आब यौ
हम जाइ छी जंगल मुनि सब देवलोक सब आब यौ
छओ महिनाके गरभ हमरा संग जाइए आब यौ
केओ कलंक नै हमरा दिह अजोधाजी मे आब यौ
सीख दिऔ आब देवन सब जाइछी बनबास आब यौ
मइआ जानकी जाइ रहल छथि रिखि जंगलमे आब यौ
आगू आगू लछुमन बाबू पाछू सीता माइ आब यौ
रिखि जंगलमे पहुँचि गेली मइआजानकी आब यौ

लछुमन बाबू वाण से रेखा दै झोपड़ी देल निरमाइ आब यौ
झोपड़ीमे देलनि बैठाइ जानकी माइके आब यौ
छप्पन कोटि देबन सब बरम्हा लोक चल गेलाह आब यौ
लछमी मइआ संगमे जाइए भगवती जे आब यौ
सब देबन सब सीरी जानकी के पहरा दइए आब यौ
लछुमन बौआ लौटिके अएला अजोधाजी आब यौ
मइआ जानकी निरबाह करै छथि जंगल झोपड़ी आब यौ
तीन महिना पूरा भए गेल लवहरिजनमल आब यौ
नओ महिना पूरा भए गेल लवहरि जनमल आब यौ
जनमैत लवहरि फानल बाबू जोजन पचास जे आब यौ
सोइरी घरमे ताल ठोकइए बाबू लवहरि आब यौ
हिनका तालसे अजोधा गादी डोलै लगलै आब यौ
देस-देससे पंडित मंगाक' रामबोलै छथि आब यौ
कोन समस्यासे हमर गादी डोलै लगलै आब यौ
पोथी-पतरासे एकर बरता कहिऔ हमरा आब यौ
पंडित सब जे पतरा बाँचथि बाँचि कहै छथि आब यौ
कोनो जंगलमे वीर अवतार प्रभु लेलनि अछि आब यौ
से वीर जे ताल ठोकइए धावा करइए आब यौ
ओइ वीरके हाथे अजोधा छेमान लिखइए आब यौ
एतेक बात जे रामचन्द्र बाबू कानसे सुनै छथि आब यौ
बड़ अनदेसा रामचन्द्र बाबू के शरीर मे होइए आब यौ
हमरा से बेसी वीर के लेलक अवतार आब यौ
सब देबन सब मिलिक' कहलक सिरी रामके आब यौ
ताबे पंचनि बीति गेलै नओ दिनमा आब यौ
तखन मइआ भगवतीके सुमिरन कैलनि आब यौ
सब देवन सब जुमिए गेला भगवती लग आब यौ

शंकर महादेव जी जखने ध्यान धरै छथि आवयौ
बिसकरमाजी पहरा दइए भैरव बाबा आब यौ
गुरू वसिष्ठके बैसाइए देलकनि सोइरी घर लग आब यौ
नूआ-बस्तर हम लेके जाइ छी गंगामे शुद्ध होइले आब यौ
मइआ जानकी दतमनि कपड़ा काँख तर लेलनि आब यौ
मइआ जानकी पहुँचिए गेली आब सिमरिआघाट यौ
मुँख धोकए गंगाजीमे असनान करै छथि आब यौ
मोकामासे एक बनरनी निकलल ओइजंग से आब यौ
तामे जंगलके रिखि-मुनिसब झोपड़ी मे जुमि गेल आब यौ
लड़िकाके देखए रिखि-मुखि देखइए सुनमसान आब यौ
अइ लड़िका के गोदी मे रिखि-मुनि लए गेल आब यौ
मइआ जानकी औती लड़िका देबनि सुनझाए आब यौ
चोरि भ' गेल लड़िका पंचनि अइ देवनसे आब यौ
गुरु वसिष्ठ मुनि ओइ जंग मारे कलेजा चोट आब यौ
लड़िका के जे खाइए गेलै बाघ सिंह जे आब यौ
हे भगवती जुलूम भ गेलै सोइरीघरमे आब यौ
लड़िकाके जे बाघ-सिंह जंगल ल' गेल आब यौ
की आब जे जबाब हम देबै सिरी जानकी के आब यौ
कोनो उपाय करह शंकरजी ओइ जंग महादेव आब यौ
संख चक्र जे ल' क' जुमला शंकरजी जे आब यौ
दहिना हाथे कुश उखारि लै क' अएला आब यौ
कूशसँ कुश-पुत्तर जनमल आब लड़िका देल निरमाइ यौ
गुरू वसिष्ठ मुनि आज्ञा दइए कुश-पुत्तरके आब यौ
तइ लड़िकाके भगवती माइ जीव द' देलखिन आब यौ
बाबू कुशहरि लड़िका फानल बहत्तरि हाथ जे आब यौ
शंकरजी जे झट द' हिनका सोइरी जाँति देल आब यौ

पहरा दइए आब हौ बाबू गुरू वसिष्ठ मुनि आब यौ
मइआ जानकी असनान करै छथि गंगाजीमे आब यौ
अपन बच्चा पीठ लादिक' बनरनी अबइए आब यौ
माइआ जानकी लग रहइए चनन गाछ जे आब यौ
तइ गाछ पर नेने बनरनी बच्चाके कुदि गेल आब यौ
माइ जानकीके नजरि पड़इए बनरनी पर जे आब यौ
माइजी बनरनीके अमरूखा कहइए आब यौ
हे बनरनी गाछ चढ़ै छ' लड़िका तोहर छोट यौ
हाथ पाएर लड़िका के छूटत गोदी से गीरत आब यौ
लड़िका गिरतै धरती पर मारल जेतै आब यौ
मुँह दुसिक' जानकीसे बनरनी बोलइए आब यौ
हे जानिकी हमर लड़िका गोदीसे गिरतै आब यौ
मरिए जेतै हमर लड़िका ठठरी हँसोथि लेब आब यौ
ठट्ठर देखिक आहि मिटा लेब गंगाजीमे आब यौ
तों जनमओल रिखि जंगलमे लड़िका सुन छ' आब यौ
बाघ-सिंह लड़िकाके तोरा खाइए जेत आब यौ
हड्डिओ ने तोरा मिलत' जानकी कोना रहब आब यौ
तोरा सन अमरूखहे जानकी दुनिआ नै छै आब यौ
दाउरे पर कपड़ा छोड़इए जानकी भागल जाइए आब यौ
झोपड़ीमे जे कुशहरि बाबू निरमान रहइए आब यौ
गोदीमे उठा क' मइआ सीना लगाओल आब यौ
शुद्ध दूध पिबइए कुशहरि कुशक बालक आब यौ
दूध पिबिते तर धरती उपर असमान कुदै आब यौ
दूध पिबिते बाबू बनइए जोरावर वीर जे आब यौ
गोदीमे बाबूके ल'क' जानकी बैठिए गेली आब यौ
एहि औसरमे रिखि-मुनि जब देखलक जानकी जीके आब यौ

लवहरि बौआके गोदीमे ने ने दौड़ल अबइए आब यौ
लिऔ-लिऔ हे जानकी माता अपन बेटा आब यौ
सुन्ने छोड़िक' गेल माता लवहरि बौआके आब यौ
हमहूँ मुनि सब ल' गेलौं माता लवहरिके सोन्हिमे आब यौ
इएह बेटा तोहर हे जानकी लवहरि बौआ आब यौ
माता जानकी ओइ जंग तजवीज करइए आब यौ
एकटा बेटा जनमओलौं हम दोसर नै भेल आब यौ
एके रंगक सकल देखाइए एके रंगकशरीर यौ
मइआ जानकी पालन करै छथि दूनू बालकक आब यौ
छओ बरिस झोपड़ीमे बिति गेल लड़िका टेल्हगर भेल आब यौ
बाघ-सिंह-मिरगा ओइ जंगलमे बहुतो छै आब यौ
लड़िका बोलइए जानकीजीसे जबाब करइए आब यौ
आज्ञा दिऔ मइआ जानकी आसिस दिऔ आब यौ
एक बेर हम जंगलमे शिकार करै जेबै आब यौ
माता जानकी बोल बोलइए लव-कुशहरिसँ आब यौ
हे रौ बाबू अजोधाक वीर रहैछै आब यौ
जंगलमे शिकार खेलएब हो बाबू मारल जेब आब यौ
किनका देखि धैरज हम धरबै झोपड़ी बिचमे आब यौ
हे माता तो मोन से हमरा आसिस दै दे आब यौ
घड़ी-पहरमे अजोधा वीरके छेमान क देब आब यौ
मइआ जानकी लड़िका के आशिरवाद दइए आब यौ
मोनसे खेल ग' बौआ जंगलमे शिकार आब यौ
चारू भाग तों खेलिअह बौआ जंगलमे शिकार आब यौ
उत्तराखण्ड तों बौआ शिकार खेल' नै जइअह आब यौ
उत्तर जँ शिकार खेलेब बौआ मारल जएबह आब यौ
धनुषवाण लड़िका उठबइए लवहरि-कुशहरि आब यौ

जतरा करइए बौआ रिखि-जंगलके आब यौ
बीछि-बीछि के मार लगला मिरगाके जे आब यौ
राक्षस मारि खरिहान करै छथि रिखि जंगलमे आब यौ
सब राक्षसके मारि दूनू भाइ विचार करै छथि आब यौ
तब कुशहरि लवहरिके बोलै चल रौ बौआ आब यौ
उत्तराखंड हम जरूर खेलेबै शिकार खेलेबै आब यौ
उत्तराखंडमे हम रामचन्द्रके घोड़ा रहनि आब यौ
बालिकरन जे अइ घोड़ाके नाम छिअइ आब यौ
रामक घोड़ा पकड़ैबला कोइ नै जनमल आब यौ
से घोड़ा लै पहुँचि गेलइए लवहरि-कुशहरि आब यौ
बालिकरण जे घोड़ा देखइए दूनू बालककेँ आब यौ
देल जखन ललकार घोड़ा दूनू बालकके आब यौ
कुशहरि बाबू नै जे घोड़ाके डर करइए आब यौ
घोड़ाके जे चुटकी पर द' पकड़ि लेल जे आब यौ
घोड़ा दूनू बालककेँ कहइए रिखि जंगलमे आब यौ
हे रौं बौआ तोहर सकल कहल नै जाइए आब यौ
तोरा देखि दया हमरा लगइए एहि जंगलमे आब यौ
कोन कुलके बालक छिऐँ की तोहर छौनाम यौ
छत्री कुलके बालक हमछी नाम हमर छी आब यौ
माइ जानकी के बेटा लगै छी लवहरि-कुशहरि नाम यौ
झट घोड़ाजे पीठी लदइए दूनू बालककेँ आब यौ
चल चल जानकी जीसे दर्शन दिअ कराए आब यौ
बहुत नीमक माइ जानकी जीके अजोधामे खेने छिअइ आब यौ
एते बात कुशहरि सुनइए घोड़ा हकने अबइए आब यौ
घड़ी-पहरमे जानकीजी लग घोड़ा पहुँचि गेलै आब यौ
बालिकरण घोड़ा सिरी जानकीके चरण लोटाइए आब यौ

बालिकरण घोड़ाके आशीष जानकी देलखिन्ह आब यौ
जीबह बौआ तो घोड़ा आब लाख बरिस जे आब यौ
घोड़ाके चुमा के माता झोपड़ी लगबान्हि लेलनि आब यौ
बान्हल गेलै घोड़ा अजोधा मे खबरि भ' गेल आब यौ
बड़ अनदेसामे पड़ि गेला रामचन्द्रजी आब यौ
तखन अबइए बाबू रिखि आसन मुनि आब यौ
तजबीज करइए जंगलमे बाबू एको चीज देखइए नै आब यौ
दौड़ल मुनि लोक अबइए जाति मुसहरबा आब यौ
सुन रौ बाबू बलकबा मुनि लोक के जबाब यौ
जंगल मारिके ओरानतो केलें बड़ा जोराबड़ आब यौ
मरदक बेटा छिएँ रे बाबू जइऔ कमलदह आब यौ
पाँच कली फुल कमलादहमे हमरा आनि दे आब यौ
मरदक बेटा हम बुझबौ रिखिआ जंगलमे आब यौ
एते बातके सर लगइए लव-कुशहरिके आब यौ
जानकी जी से आज्ञा लइए आशिरवलइए आब यौ
हम जाइ छी हे जानकी माता कमलदह जे आब यौ
जरूर अनबै कमलदहसे फुलबा तोरिके आब यौ
मारने ने मरबें रे बेटा जारने ने तोंजरबे आब यौ
अमर तोर शरीर भ' जेतौ रिखि जंगलमे आब यौ
शर-धनुष उठाइए लेलकौ लवहरि-कुशहरि आब यौ
जतरा क' देल आब हौ बाबू कमलादहके आब यौ
घड़ी पहरमे सनकल जाइए कमलादह लग आब यौ
दहक कंठा पर रहइए पाकरि गाछ जे आब यौ
दूनू भाइ बिसराम करै छथि पाकरि तरमे आब यौ
शीतल पवन हवा लगइए कुशहरि बाबूके आब यौ
कुशहरि बाबू निन्न परि गेला पाकड़ि तर जे आब यौ

जाँघ पर सुताइए लेलनि लवहरि बौआ आब यौ
सात दिन आ सात राति के नीन जे सुतला आब यौ
तब लवहरि जे जाँघ झीकि लेल सिरमासे आब यौ
जाइछी हमहुँ फूल लबै ले फूल तोरि अनबै आब यौ
भइआ जगाइए लेबै रिखि जंगलमे आब यौ
कमलादहमे बड़-बड़ विषधर रहै जे आब यौ
कारी नागिन कारी नाग, नाग दूसध जे आब यौ
फूल-फूलमे जोरा गहुमन पहरा दइए आब यौ
बछर नाग जे ओकर सरदार रहइए आब यौ
विषसे भरल कमलादह घोर हरइए आब यौ
ताबे लवहरि बौआ जुमलै कमलादहमे आब यौ
नाग नगिनिआ फेंफ काढ़िके दौरल जखनी आब यौ
विष देखाइए गरल कमलाजलरहइए आब यौ
जे जे विषधर रहइए बाबू फूल-फूलमे आब यौ
दामस देलकै लड़िका देखिक' विषधर सब जे आब यौ
हाथ जोरिक' बसुली बौआ देलक फूँकि जे आब यौ
बसुलीके आबाज सुनइए, गरूड़ सदल जे आब यौ
गरूड़ सदलजे धाँइ-धाँइ बाबू गिरलै जलमे आब यौ
सब विषधर के गरूड़ सदल टप-टप गिरि गेल आब यौ
पाँखहिसे जे विषके बाबू ठंढ़ा कए देल आब यौ
लवहरि जाए धरइए बाबू बछर नागके आब यौ
बछर नागके नाथिए देलकै लवहरि बालक आब यौ
सबटा फूल तोरिक' नाग पर लादि देल जे आब यौ
पकड़ि नाथ घिसिअओने अबइए गाछ तरजे आब यौ
तइओजे नै निन्न टूटइए कुशहरिके जे आब यौ
अजोधाजी डोलए लगलै जे बाबू आब यौ

कहाँ गेलै बौआ लछुमन जुलूम भ गेलै आब यौ
कमलादह के फुलबा सबटा चोरबा तोरलक आब यौ
हुकूम भेल शाल-विशाल के अजोधाजीमे आब यौ
डाकूके पकरि हिनका सिज्जति करतनि आब यौ
सबटा आइ फूलबारी लुटिके डाकू भागल जाइए आब यौ
कुलामतिके बेटा छिअइ शाल-विशाल जे आब यौ
शक्तिवाण लए शाल-विशाल दौड़ल जाइए आब यौ
शाल-विशाल देखइए जब बैठल लवहरिके आब यौ
एकार-टेकार बजैत हिनका गारि दइए आब यौ
बिना इजाजत से रौ सरबा फूल लूटि लेले आब यौ
एतेक बात लवहरि सुनइए छड़पि उठइए आब यौ
करोधसे साल-विशालक शरीर धधकि रहल आब यौ
पूरा झगड़ा बाझि गेल पंचनि पाकड़िक गाछ तर आब यौ
सात दिन आ सात राति बाबू जुध बझि गेलै आब यौ
साल-विसाल दू भाइ रहइए असगर लवहरि आब यौ
भारइए जे साल-विसाल शक्तिवाणसे आब यौ
शक्ति-वाण से लवहरि के बान्हिए लेलकै आब यौ
बान्हि-छान्हिके अजोधा बौआ नेने अबइ छै आब यौ
देखै छथि जे दादा रामजी डाकूके जे आब यौ
हुकुमू द' देल दादा रामजी जखान आब यौ
सात काटि जे बाँस कटा'क' जल्दी लबिऔ आब यौ
चौफक्का फट्ठा बना'क' डाकूके पिटिऔ आब यौ
सात कोटि बाँसक फट्ठा लेलक जे बनाइ आब यौ
भुजा-भुजाके हिनकर देहके भुजबी क' देल आब यौ
भुजा-भुजा जे हिनकर देह करकुट क' देलकै आब यौ
मासु झखरि धरती परबौआ लवहरिके खसइए आब यौ

अस्सी मोन जे सिन्धब नोन चुरबा लेलखिन आब यौ
बालक पर जे नोनक ढ़ेरी ढ़ारै लगलै आब यौ
मासु गिरइए हड्डी गलइए लड़िकाके जे आब यौ
तरहरमे जे आब हौ बाबू बरछाँकेँ नोक पर आब यौ
पर्वत-पहाड़ जे हिनकर कलेजा पर रखदेल जेआब यौ
बड़ा कसूर लड़का केलक जे आब यौ
बान्हल गेलैं जे बौआ लवहरि अजोधाजीमे आब यौ
सात सए पनिभरनी राधिकाके हुकूम देल जे आब यौ
अजोधाके धारमे पानि भरि लबिऔ लड़िकापर ढ़ारू आब यौ
मासु गलतै मासु धोखरतै पानिओसे जे आब यौ
साती सए पनिभरनी पानि ढ़ारइए आब यौ
कोइली जकाँ लड़िका तरहरमे कुहुकइए आब यौ
बान्हल गेला बौआ लबहरि निम्न टुटि गेलै आब यौ
दादा-दादा कलोल करइए कुशहरि बौआ आब यौ
नाग जखनी कहै लगइए कुशहरि के जे आब यौ
तोरे सन बालकरे बाबू कमलदह लूटि लेलकै आब यौ
अजोधाके राजा पकड़िके लइए गेलै आब यौ
हमरा देह पर फुलवा लादिके बान्हिए देलकौ आब यौ
एते बात जे कुशहरि सुनइए तामसे जरि गेल आब यौ
हमरा अछैत हमरा भाइके बान्हि देलक जे आब यौ
चुटकी से हम मलिए देबै अजोधाजी आब यौ
नागके जे नाथ पकड़ने चल अबइए आब यौ
घड़ी पहड़मे जुमि गेला बौआ रिखि आसरम जे आब यौ
जानकी जीके नजरि पड़इए कुशहरि परजे आब यौ
दुर जो दुर जो कुशहरि बौआ सोझासे टरिजाउ यौ
बेटाकेँ बन्हबौले भइआ तहूँ जखनिए आब यौ

हलसि-फुलसि एलें हें बौआ रिखि आसरममे आब यौ
एक बेर जे कुशहरि बौआ जबाब करइए आब यौ
कलपि-कलपि भाइ जानकीके लड़िका कहइए आब यौ
हे माता आब रिखि मुनि जे देलक अढ़तिआ आब यौ
फूल पहुँचा दे एकरा जे पूरा हेतै अढ़तिआ आब यौ
चारि अस्सी मोनके लोहा के आढ़ति दीहक आब यौ
नै जल्दी लोहा जे देलकै तौलके जखनी आब यौ
लोहा नै पुरओतै सरबा रिखि मुनि जे आब यौ
एक शरमे रिखि-मुनि उसर लोटा देब आब यौ
फूल नेने जे जानकी मइआ जाइए सोन्हि लग आब यौ
लेले तोंहें मुनि सब आढ़ति पूरा भेलौ आब यौ
जल्दी सन जे चारि अस्सी मोन लोहा तौल दे आब यौ
रिखि मुनिजे लोहा सबके जमा करइए आब यौ
चारू अस्सी मोन लोहा रिखि मुनि तौलिए देलकनि आब यौ
जानकीजी समेटिके खोंइछामे बान्हि लेलखिन्ह आब यौ
लेले बौआ कुशहरि लाला आढ़ति पूरा भेलौ आब यौ
कुशहरि बौआ लोहा लइए बिसकरमाके आब यौ
लाब लाब बिसकरमा तों भट्ठी जोरइए आब यौ
बिसकरमाजे आब हौ बाबू भट्ठी जोरइए आब यौ
बिसकरमाजे लोहा गलाबे ओइ भट्ठीमे आब यौ
सात बहिन भगवती आबिक' लोहा पर बैठि गेल आब यौ
पैंसठि छूरी बिसकरमा तैयार करइए आब यौ
पैंसठि छूरी ले माता जानकी जल्दी छूरी चुमा दे आब यौ
माता जानकी छूरी देखि गोपित करइए आब यौ
हे रौ बौआ कुशहरि हमरासे सत्त बता दे आब यौ
तब छूरी चुमाइए देबौ रिखि जंगलमे आब यौ

हे माता जानकी सुनि ले आर वचनके बात आब यौ
जइ दिन तोरा कोखिसे हम जनम जे लेलिअइ आब यौ
तइ दिन सत बात माता हम कहि देलिअ आब यौ
नै मंजुर करबौहे माता सत बता दे आब यौ
एक सत हम करै छी माता जानकी दोसर सत नै आब यौ
तेसर कहल जे नै हम करब गिरब नरकमे बास यौ
दूभि-धान से छूरी चुमओलनि मइआ जानकी आब यौ
सुनरौ बौआ हमर बात मधुरके बोलिआ आब यौ
मारने नै तों मरबें बौआ जारने नैं तों जरबें आब यौ
पहिले साल-बिसाल के मूरी तों काटिएलिहें आब यौ
सत सुमिरके झोपड़ी परतोँ फेकिहें घुमाके आब यौ
दुसमन मूरी पर करबैरे बौआ हम असलान जे आब यौ
छओ गोट मूर बकसिहें दिहें अजोधाजीमे आब यौ
पहिले मूर बकसिहें बौआ प्रभुजीके आब यौ
दोसर मूर बकसिहें बौआ लछुमनके जे आब यौ
तेसर मूर बकसिहे रे बौआ भरत लालके आब यौ
चारिम मूर बकसिहे रे बौआ सतरूहनके जे आब यौ
पाँचम मूर बकसिहे रे बौआ हनुमानके आब यौ
छठम मूर बकसिहे रे बौआ भुखलागोआरके जे आब यौ
अजोधाके जंगलमे छैक भुखला जे गोआर यौ
राज जनकपुरक ओ छिअइ चरबहबा छिअइ आब यौ
तीन लाख गइआ हमरा दहेजमे देलखिन आब यौ
तही गइआके चरबाहा छिअइ भूखला गोआरजे आब यौ
भूखलाके हाथमे हम देने छिअइ लाठी जे एक यौ
सत्तक लाठी हम बनबाके देलिअइ चरबहबा के आब यौ
एकरा तों पकड़िकें ल' जइहें अजोधाके धारमे आबय यौ

जे जे मूर निकलतै अजोधासे से से चिन्हओने जेतौ आब यौ
तोरा जखन भूखला गोआर चिन्हबे करत आब यौ
सात हाथके लाठी छैक सात पोरके आब यौ
एकहि बेरमे तोरा सातो पोर तोर पड़तौ आब यौ
सातो पोर लाठी रौ बौआ जोड़ कहतौ आब यौ
कुमारि बाछीके गोबर से तों ठाँओ करिहें आब यौ
सत सुमरिहें मइआ जानकीके हूड़ पकड़िक आब यौ
सातो पोर लाठीरे बालक जुटिए जेतै आब यौ
निधोखसे तों जो रे बौआ जो अजोधा आब यौ
सरयूजीमे डेरा द' देल कुशहरि बौआ आब यौ
साबा पहरजे दिन उठइए उदय होइए आब यौ
अजोधामे बान्हल बान्हके ढ़ाहइए आब यौ
सात सए राधिका उतरलै आब जल भरैले यौ
राधिका सब जल भरिके डेगा-डेगी चलै छै आब यौ
कुशहरि बौआ देखइए तमाशा मारै सोटाके बान यौ
ठकुआएल जनाना सबजे ठाढ़ भ' गेलै आब यौ
मारल बौआ कुशहरि जखन अगिनिबान से आब यौ
सबकक चीर-चोली डहि गेलै सरयुग धारमे आब यौ
सबकक चीर-चोली डहि गेलै सरयुग धारमे आब यौ
चल गइ सखी नारि सब राजा कुसिआरमे आब यौ
तनीटा छौंड़ा सब इज्जति ल' लेलकै सरयुधारमे आब यौ
सब पनिभरनी सब राजा कुशियारमे चल गेलै आब यौ
सात सए पनिभरनीके सरदार एकटा बुढ़िआ छलै आब यौ
से बुढ़िआ जे पानि भरइए ठेहुना चढा लेल आब यौ
कुशहरि बौआ शक्तिवान जे ठेहुना पर साटि देल आब यौ
बुढ़िआ जब कलोल करइए छौड़ा के कहइए आब यौ

हे रौ बौआ कने घैला दे हमरा अलगाइ आब यौ
तखन लड़िका दौड़ल जाइए बुढ़िआ लगमे आब यौ
गइ बुढ़िआ तोंकी करैले जलल' जाइछें आब यौ
तब बुढ़िआ कहए लगइए छौड़ाकें जे आब यौ
तोरे अइसन छौंड़ा रौ बौआ अजोधामे बान्हल छै आब यौ
तइ लड़िकाके जलबा ढ़ारबै आँसू चुबै छै आब यौ
लड़िका जरि गेल तामस से सरयू तट पर आब यौ
झट-झट पाँतीलिख' लगइए राजाक नामे आब यौ
सात सए बघिनिआ गइ बुढ़िआ कुसिआर घेरलकौ आब यौ
राजाकें तों कहिएँ गइ बुढ़िआ बघिनियाँ घेरलकै आब यौ
सरबा राजा दिन दुपहरमे नै खेलइते शिकार यौ
सब बाघिनके शिर काटि के ल' चल जेबै आब यौ
धर घुमाए फेकिए देबौ हम राजाके गादी पर जे आब यौ
ई पाँती तो नेने जइहें बन्हुआ लगमे आब यौ
आँखिक पट्टी खोलिकें तहूँ पानि ढ़ारिहें आब यौ
हाथक ओंठी लड़िका घैलामे खसा देलक आब यौ
एतेक बरता जल्दी बुढ़िआ नेने जाइए आब यौ
बुढ़िआ लइए चिट्ठी बौआ घैला लइए आब यौ
भागल जाइए बुढ़िआ जखनी राजाके दरबार यौ
राजाके दरबारमे चिट्ठी दइए राजाकें आब यौ
राजा पढ़इए चिट्ठी बाबू आगि फुकइए आब यौ
सोंसे अजोधामे खबरि जना देल राजा रामचन्द्र आब यौ
अजोधाके जतेक वीर सब खेलै ले चलिऔ शिकार यौ
अजोधाके दल फौज सजए लगइए आब यौ
हाथीक हलका चललै बाबू घोड़ा चललै आब यौ
सौंसे अजोधाके अरजा-परजा खेलै चलल शिकार यौ

साल-विसाल सेहो जाइए खेलै शिकार जे आब यौ
चारू भागसे घेरिए लेलकै कुसिआरके जे आब यौ
हल्ला पड़ि गेल कुसिआर लगमे लसकर दूत-भूत जे आब यौ
सातो सए पनिभरनी लाज-शरमसे मरि गेल आब यौ
हे रौ बुरबक राजा तहूँ सुन वचनके बात यौ
एना नै बघिनिआ तोरा कुसिआरसे बहरेतौ आब यौ
पूबे भर तों आगि लगा दे मैदान चढ़ा दे आब यौ
उकबातीसे आब हसेड़ी आगि फूकि देल आब यौ
पुरबा आ' पछबाजे बाबू चलल पवन जे आब यौ
जरइए जे आब कुसिआर पनिभरनी उघरल आब यौ
तर हाथ उपर हाथ देने पनिभरनी निकलि गेलै आब यौ
ककरो घरके बेटी-पुतोहुआ ककरो बहिनिआ आब यौ
मार-मारके छूटल जे छौंड़ा परजखनी आब यौ
भागल छौंड़ा सरयूग टपिके पार भए गेल आब यौ
सब लश्कर सब दौड़ल जखनी छौंड़ा पर जे आब यौ
तोष बन्दूकसे मार लगला लड़िकाके जे आब यौ
तब लड़िका जे माइ जानकी के सुमिरन करइए आब यौ
गरू काल मइआ जानकी भ' गेले होइऔ सहाय आब यौ
मारैत-मारैत सबके हथिआर टुटि गेलै आब यौ
तखन लड़िका मार' लगला शक्ति वाण जे आब यौ
सब हँसेरी लश्करके लड़िका बान्हि देलकै आब यौ
अपन छूड़ी घुमा' क' फेकलक लड़िका जखनी आब यौ
जतेक अजोधामे वीर रहैक सभक सिरकटलक आब यौ
जतेक अजोधामे वीर रहैक सभक सिरकटलक आब यौ
बाँकी रहि गेल साल-विसाल कुलमति बेटा आब यौ
मारल जाइए साल-विसाल बान्ह फेकइए आब यौ

आसन डोलि गेल माइ जानकीके बान्हकटि गेलै आब यौ
शक्तिवाण मारइए कुशहरि साल-विसालके आब यौ
दूनू वीरकें सिर काटि लेलकनि सरजुग धारमे आब यौ
अजोधाके जे अरजा-परजा सब मरि गेलै आब यौ
अजोधामे हाकरोस मचि गेल कललपड़इए आब यौ
तामससे जे रामचन्द्रके देह जड़ल चल जाइए आब यौ
कहाँ गेल बौआ लछुमन जल्दी अबियौ आब यौ
शत्रुहन आ' भरत लालके जल्दी मंगबिऔ आब यौ
जल्दीसे माहुर जंगलसे हनुमान लालके लाबू आब यौ
हनुमानके पकड़ि ल' जाइए लछुमन बौआ आब यौ
बारह बरिस हनुमान के फल-अन्न बिनु बिति गेल आब यौ
चारि जोजनमे हनुमानके जे चमरी झोझरि गेल आब यौ
टक-टक हनुमान तकइए जंगलमे रास्ता-पेड़ा आब यौ
लछुमन देखइए हनुमान करूणा करइए आब यौ
लछुमन बौआ अबिते फलबा देलनि आब यौ
जाइते अमरित लछुमन बौआ देलकनि पिआइ आब यौ
चलिऔ-चलिऔ हनुमानजी अजोधाजी जे आब यौ
बड्ड बेहाल हनुमानजी के आब बितइए आब यौ
अजोधामे रामक गादी लग हनुमान ठाढ़भेलै आब यौ
बेहाल देखि दादाजी हुकूम देलकनि आब यौ
सात दिन तक हनुमान तों अजोधामे खइऔ आब यौ
सात दिन तक हनुमान अजोधामे छुटिके खइऔ आब यौ
पछिला आब दिमाग हनुमान जी केँ खुजिए गेलनि आब यौ
आशिष दइए रामचन्द्रजी हनुमानजीकें आब यौ
अजोधाके अरजा-परजा दुशमन मारि देल आब यौ
जल्दी सन जे ओइ डाकूके पकड़ि लबिऔ आब यौ

हनुमान जखन दौड़ल जाइए गदा-पदुम लै आब यौ
जाइते हनुमान मारि देल बाबू गदा-पदुमसे आब यौ
एक रतीजे चोट नै लगइए लड़िकाके आब यौ
वाण चढ़ाके लड़िका मारइए हनुमानजीके आब यौ
वान्ह नै लगइए हनुमानजीके ठाढ़े रहइए आब यौ
हनुमानजी हँसिके बोलइए लड़िकाके कहइए आ यौ
कहाँ तों रहै छें बौआ कोन कुलक बालक यौ
लड़िका आब जबाब करइए हनुमानजीसे आब यौ
रिखि जंगल के रहबैका छी छत्री कुलक बालक यौ
माइ जानकी के बेटा लागउ कुशहरि हमर नाम यौ
एतेक शब्द हनुमान सुनइए दौड़ल एलै आब यौ
दौड़िके जे हनुमानजी गोदी बैठा लेल आब यौ
हे रौं बौंआ मइआ जानकी कारण हम गेलौं बनबास यौ
तेलिआ घर से तीन मोन तों खैर मंगा ले आब यौ
हमरा पोन पर ढ़ारिए दिऔ सरजुग धारमे आब यौ
खैर मंगाके घोंरि हनुमानक पोन पर ढ़ारल आब यौ
अजोधामे बान्हि बान्ह देल हनुमानजीके आब यौ
अनठाके हनुमानजी भगललाधि देलकै आब यौ
मालुम भ' गेल रामचन्द्रजीके हनुमान मरि गेल आब यौ
पाँचों पाण्डव मिलि जतरा करै छथि भगवान यौ
जतरा क-क' सरजुग धारमे लड़िकाके देखइए आब यौ
पहिले नम्बर वाण चढ़ा लेल रामचन्द्र भगवान यौ
शर-धनुषसे मारि देल बाबू लड़िका के जे आब यौ
रामक शर आकाश लागि गेल तइ ठाम जे आब यौ
ठंढ़ा-ठंढी से शर लड़िका पर खसि गेल आब यौ
रामक शर जे आबिके लड़िकाके चुमा लइए आब यौ

लड़िका जब खिसिआके मारइए छप्पन छूरीसे आब यौ
छप्पन धूरी जा' क' रामक चरण गिरइए आब यौ
रामक चरण पर जे छूरी लोटै लगइए आब यौ
हँसिके बोलै रामचन्द्रजी लड़िकाके पुछइए आब यौ
कहाँ तोहर गामरे लड़िका कोन कुलक बालक यौ
जल्दी से बतबिऔ लड़िका की तोहर नाम आब यौ
छत्री कुलकेर बेटा छिअइ जानकीक बालक आब यौ
कुशहरि हमर नाम छी पिताक नाम नै जानी यौ
एतेक बात जब राम सुनै छथि दौड़िके एला आब यौ
कनिते रामचन्द्र बाबू कुशहरिकें गोदीं लए लेल आब यौ
जेठका भइआ बान्हल छै अजोधा बनिसार यौ
हिनके कारण अजोधा लुटबै हमहूँ जखन आब यौ
दौड़ि-दौड़ि लछुमन बौआ बान्ह खोलइए आब यौ
दौड़ल जाइए लछुमन बाबू लड़िका लग जे आब यौ
बान्हले गोदीमे उठाए लेलकैं जे आब यौ
अमरित फुहारा दइते नेने अबइए आब यौ
रामक लग लवहरिकें पहुँचाइए देलकनि आब यौ
गलामे गला जोड़िके करूणा करै छथि आब यौ
डोली लए क' लछुमन जानकीके लाबजाइ छथि आब यौ
लछुमनजी जे डोली नेने दौड़ल जाइ छथि आब यौ
जनिकी मइआ प्रभुजीके नजरिसे देखल आब यौ
सत सुमरि लेब धरतीके श्री जानकी मइआ आब यौ
फाटू फाटू धरती माता पाताल जेबै आब यौ
रामचन्द्रजी झट द' माताक झोंटा धरइए आब यौ
हाथमे झोंटा रामचन्द्रके रहि गेल माता गेली पाताल यौ
झोंटा फेकि देल रामचन्द्रजी जंगलमे आब यौ

जानकीक झोंटा साबे उपजि गेल दुनिआ संसारमे आब यौ
ओही ठामजे रामके बिरोग जे बहुत भ' गेलैन आब यौ
अजोधाके धारमे रामजी शालिग्राम भ' गेला आब यौ
सब देवता सब मिलिके ओइ जंग शलिग्राम उठबइए आब यौ
ओहिठाम सतयुग जे चल गेल कलियुग आबि गेल आब यौ
चोला छोड़ि देल रामचन्द्रजी सरयू तट पर आब यौ
जय जय बोली सीताराम भगवान नारायण आब यौ

गायक : गोपाल मलाह
मकरन्दा : मनीगाछी